



VISION IAS

www.visionias.in



GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2421)

Name of Candidate	NEERAJ SONGARA		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	1447625
Center	MN	Date	21-Aug-23

INDEX TABLE			INSTRUCTIONS
Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained	<p>1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code). उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।</p> <p>2. There are TWELVE questions printed in HINDI & ENGLISH इसमें बारह प्रश्न हैं हिन्दी और अंग्रेजी में छपे हैं।</p> <p>3. All questions are compulsory. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।</p> <p>4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it. प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।</p> <p>5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one. प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।</p> <p>6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।</p> <p>7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off. उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।</p>
1(a)	10		
1(b)	10		
2(a)	10		
2(b)	10		
3(a)	10		
3(b)	10		
3(c)	10		
4(a)	10		
4(b)	10		
5(a)	10		
5(b)	10		
6(a)	10		
6(b)	10		
7	20		
8	20		
9	20		
10	20		
11	20		
12	20		
Total Marks Obtained:			
Remarks:			
Signature of Examiner			

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar
Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

SECTION - A

1. (a) दुनिया भर के समाजों में मूल्यों में निरंतर नैतिक गिरावट हो रही है और अब समय आ गया है कि शिक्षकों को आगे आकर व्यक्तिगत, सामाजिक और व्यावसायिक नैतिक मूल्यों को विकसित करने के लिए मनुष्यों की इच्छा को फिर से जागृत करने का प्रयास करना चाहिए। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि देश में बदलते सामाजिक परिदृश्य के मद्देनजर, मूल्यों की शिक्षा युवाओं के लिए न केवल कुशल बल्कि नैतिक रूप से मजबूत पेशेवर बनने हेतु तकनीकी शिक्षा के समान ही महत्वपूर्ण है। व्याख्या कीजिए।

Societies across the world are witnessing a gradual moral decline in values and it is time that educators stepped in and made efforts to rekindle the desire of human beings to develop personal, social, and professional moral values. Do you agree that in the wake of changing social landscape in the country, value education is as important as technical education for the youth to become not only skilled but also morally strong professionals? Explain. (Answer in 150 words) 10

• वर्तमान समय में बड़े सफेदपेशा अपराधों के संदर्भ में नैतिकताविहीन शिक्षा को प्रमुख कारण माना गया है।

उदाहरण :-

- बैंकिंग घोखाधड़ी।
- शेयर मार्केट में हे फेर।
- साख्यबर फारम।
- मनी लॉड्रिंग

APJ अब्दुल कलाम द्वारा भारत के नैतिक विकास हेतु माता-पिता व शिक्षकों को महत्वपूर्ण माना है। इन तीनों के संगम से भारत को खुशहाली के मार्ग पर ले जाया जा सकता है।

वर्तमान संदर्भ में तकनीक के नैतिक
प्रयोग के लिए आवश्यक है कि इसका
प्रयोगकर्ता मानवता, सद्गुण, कठणा से
परिपूर्ण हो। कथथा तकनीक का दुरुपयोग
मानव के विनाश का कारण बन सकता
है। (परमाणु बम का प्रयोग)

• वर्तमान समय में खदलती तकनीक (AI,
GPI, डीपफेक,) आदि के संदर्भ में यह
भोर जकरी हो जाता है।

सुधार के प्रयास: - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

↳ पंचकोश विकास पर ध्यान

- बच्चों के नैतिक शिक्षा (पंचलंग, दितोपदेश)
- व्यवसायिक नैतिकता का मानकीकरण व अद्यतन।
- विनियामकीय तंत्र (SEBI, IRDAI,)
- AI के संदर्भ में वैश्विक सहमति।

गांधी के सात पापों की व्यवधारणा
में बिना मानवता विज्ञान और नैतिकताविहीन
व्यापार को रोक्ने हेतु उपयुक्त सुझावों पर कार्य
आवश्यक है।

1. (b) गुरु नानक देव जी का मानना था कि धर्म, जाति और लिंग पर ध्यान दिए बिना, प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों का भला करना चाहिए और केवल तभी उसे बदले में भलाई मिल सकती है। गुरु नानक देव की महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो वर्तमान युवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

Guru Nanak Dev ji believed that despite religion, caste, and gender, everyone should seek well for others and only then one can have that goodness back in return. Discuss the important teachings of Guru Nanak Dev ji relevant to the youth of today. (Answer in 150 words)10

गुरुनानक देव जी ने समानता, स्वतंत्रता, कृपा दया प्रेम पर बल देकर मध्यकाल में समाज सुधार का प्रयास किया।

उनकी शिक्षा वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है जिसे निम्न बिंदुओं में समझा जा सकता है।

- लैंगर व्यवस्था → मानव मात्र की सेवा।
के काफ़ी के समय सबसे पहले सेवा का आग्रह।
- निःस्वार्थ भाव से सेवा।
- श्रम की महत्ता।
- उद्यमशीलता को प्रोत्साहन।

- सहिष्णुता, सर्वधर्मसमभाव का विचार।
(वर्तमान समय में प्याप्त धर्मवाद, कस्टमावाद को कम करने में सहायक)
- उदारता, दया → पर्यावरणीय आपदा से
प्रेरित विस्थापित जन की सेवा।
- आप को के एक भाग को मानव सेवा
में प्रयोग। (किरणात्मक न्याय)
- महिला सशक्तीकरण (समानता पर ध्यान)
4) महिला सुरक्षा हेतु प्राण काहुति
से भी पीछे नहीं हटें।
- वर्तमान समय में उपभोक्तावाद,
व्यक्तिवादी समाज में कोविड काल में
हमने यह जाना कि सभी की सुरक्षा में
स्वयं की सुरक्षा निहित है इस संदर्भ
गुरुनानक देव जी के विचारों का अनुसरण
समाज के लिए लाजकरी रहेगा।

2. (a) घर से काम करने की संस्कृति, जिसे कोविड-19 महामारी के प्रसार के साथ व्यापक स्वीकृति मिली है, ने निजी संगठनों में कई नैतिक चिंताएं उत्पन्न की हैं, जिनमें मूनलाइटिंग (दो नौकरियां करना) प्रमुख चिंताओं में से एक है। क्या आपको लगता है कि किसी कर्मचारी के लिए मूनलाइटिंग करना नैतिक है? चर्चा कीजिए।

The 'work from home' culture that gained wide acceptance with the outbreak of the COVID-19 pandemic has led to many ethical concerns for private organizations with moonlighting being one of the most prominent ones. Do you think that it is ethical for an employee to practice moonlighting? Discuss. (Answer in 150 words)10

कोविड - 19 महामारी प्रसार को नियंत्रण के कृण में 'मून लाइटिंग' को बढ़ावा मिला।

इसका तात्पर्य कार्य दिवसों व छुट्टियों के बाद के समय में किसी अन्य संस्थान में कार्य करने से लिया जा सकता है।

कारण • अधिक आय की प्राप्ति।

• कोविड-19 के आर्थिक नुकसान की भरपाई।

• बेहतर अवसर।

• कार्य प्राप्ति द्वारा अतिरिक्त समय का उपयोग।

नैतिक चिंताएँ • वास्तविक संस्थान जैसे
जानकारी साझा न किया जाना
पारदर्शिता का उल्लंघन।

- ट्रेड ~~वि~~ सिंकेट का खुलासा।
- हितों का ~~व्यक्ति~~ टकराव।
- संसाधनों का दुरुपयोग (लैपटाप, डाटा)

अनुचित क्यों ? • विश्वसनीयता का अभाव।

- व्यवसायिक नैतिकता का बुरा भावना
में उल्लंघन।
- पारदर्शिता में कमी।
- कार्य दबाव की अतिरिक्तता की वास्तविक
नियोजना के प्रति जवाबदेहिता में कमी।

सुधार • जानकारी साझा करना।

- हितों के टकराव को कम करना।
- संसाधनों के प्रयोग में सत्यनिष्ठा।
- गारंटीकरण का पालन।
- अतिरिक्त लागत को कम ~~कर~~ रखने से
अतिरिक्त आत्मिय सुख को प्राथमिकता देना।

2. हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई संस्थान कार्यरत हैं, फिर भी, राष्ट्र अपने हितों की पूर्ति हेतु अक्सर नैतिक मूल्यों और इन संस्थानों के दिशा-निर्देशों की उपेक्षा कर देते हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

While there are multiple institutions to ensure fairness in international relations, states often put aside moral values and the directions of these institutions for their own interests. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)10

अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता से काशय

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की स्थापना, ~~कई~~
अंतर्राष्ट्रीय कार्यपालिका, द्वितीय तंत्र में
पारदर्शिता, समानता, पारस्परिकता के मूल्यों
को अपनाना है।

हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता
व राष्ट्रीय हितों में कई बार
परस्पर विरोध की स्थिति देखी गयी
है।

जैसे: - WTO नियमों के स्थान पर
द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को प्राथमिकता।

• देशों द्वारा महामारी प्रसार की
जानकारी WHO से साझा करने में
अनुत्तम देश।

- कैंलरब्रिपीय युद्धों संबंध में दोहरा चरित्र अपनाया जाना रूस-यूक्रेन संबंध व उभेनिया - रुजरबाइजान संबंध में प्रतिक्रिया में होतर।
- गयदिरवीय संबंध संदर्भ में पैरिस सिद्धांतों की अवहेलना, ऐतिहासिक उत्तरदायित्व को मानने से इंकार करना।
- रुफीकी देशों की स्थिति पर विचार किये बिना संसाधनों का ~~अतिरिक्त~~ अतिसंग्रहण (वैक्सीन राष्ट्रवाद)
- सुधार के बिन्दु ◦ संयुक्त राष्ट्र की प्रणाली में सुधार → विस्तार के साथ वैश्विक दक्षिण को अपनी समिति में प्रतिनिधित्व।
- CDDR का अपनाना (वास्तविक रूप में)
- जलवायु क्लिष्ट।
- महापारी नियंत्रण में सुधार (WMO में सुधार)
- WTO में सुधार।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

What does each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमानी से कार्य करने के लिए बुद्धिमत्ता से अधिक की आवश्यकता होती है।" - फ्योदोर दोस्तोयेव्स्की

"It takes something more than intelligence to act intelligently." – Fyodor Dostoyevsky (Answer in 150 words)10

बुद्धिमानी किसी कार्य में मूल
लक्ष्य प्राप्त करने की सहायता नहीं
करती वस्तुतः आवश्यक है कि
कार्य को बुद्धिमत्ता के साथ
भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ किया
जाये।

ऐसा करना लोककल्याण के लक्ष्य
को पूरा करता है। भारत में डिजिटल
क्षमता के विस्तार के संदर्भ में
इसे समझा जा सकता है।

वस्तुतः सर्वप्रथम 80% आबादी
को बैंकों तक पहुँच (जिन चयन सकते)
के द्वारा ही UPI इंटरफेस को

जन समर्थन प्राप्त हो सका।

अधीन तकनीकी सुधार ~~स्व~~ फिल
लिए किया जाना है, के लक्ष्य को
जानना ही भावनात्मक कौशल को
दशति है।

बुद्धिमत्ता से अधिक
भावनात्मक बुद्धिमत्ता के द्वारा ही वर्तमान
में UPSC की अनसंकोचता बढ़ी है।

इसी प्रकार लोक प्रशासन में
भी बुद्धिमत्ता के साथ करुणा दया
प्रेम, ~~सम~~ सम्वाद महत्वपूर्ण है इसका
उदाहरण तेलंगाना की IAS अधिकारी
दिया देवराजन से लिया जा सकता
है जिन्होंने उमाह में गोंड़ी भाषा
सीख नक्सला प्रभावित जिले में अनसम्पर्क
को बढ़ावा देकर लोगों से सीधा सम्पर्क
स्थापित किया।

3. (b) "एक लोकप्रिय सरकार, बिना लोकप्रिय जानकारी के, या इसे प्राप्त करने के साधनों के, एक ढोंग की शुरुआत या एक त्रासदी; या संभवतः दोनों है।" - जेम्स मैडिसन
 "A popular government, without popular information, or the means of acquiring it, is but a prologue to a farce or a tragedy; or perhaps both." - James Madison
 (Answer in 150 words) 10

शासन के लोकप्रिय स्वरूप
 के कई आधार होते हैं एक जनताही
 राज्य में भी लोक-प्रिय सरकार
 की स्थापना संभव है।

किंतु, शासन के वास्तविक
 लक्ष्य - समानता, स्वतंत्रता, वैधुत्व,
 न्याय की स्थापना हेतु लोकप्रियता
 के साथ ही सीमित शासन,
 सामाजिक शुद्धता, नेतृत्व कौशल,
 सत्यनिष्ठा, सहभावना आवश्यक हैं।

वस्तुतः भारत की स्वतंत्रता
 के समय भारतीय उपमहाद्वीप में दो
लोकप्रिय स्वातंत्र राश्ट्रों की स्थापना
 हुई।

जहाँ भारत द्वारा स्वतंत्र, सार्वभौमिक,
सहिष्णुता, सर्वधर्मसमभाव, क्षेत्रीय भाँकसाँझों
की पूर्ति, सामाजिक न्याय को
महत्व दिया तो वहीं पाकिस्तान
द्वारा धर्म, नस्ल, प्रांतों, ठबीनों को
अपभिक्षा दी फलस्वरूप 1971 में
एक नये राष्ट्र बांग्लादेश का निर्माण
हुआ।

वही भारत ने 75 वर्षों में पाँचवीं
बड़ी, अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त
कर, अपनी ~~बड़ी~~ वृद्ध जाबादी को गरीबी
से निकालकर लोककल्याणकारी स्वरूप को
बताया।

इस प्रकार शासन के लोकप्रिय
स्वरूप के साथ नैतिक शासन का होना
समग्र समाज के विकास हेतु
महत्वपूर्ण है।

3. (c) "चरित्र को अनुनय का लगभग सबसे प्रभावी साधन कहा जा सकता है।" - अरस्तू

"Character may almost be called the most effective means of persuasion." - Aristotle (Answer in 150 words) 10

अनुनय का आशय व व्यक्ति के
धारणा, विचार, पसंद-नापसंद को
किसी मध्य द्वारा विभिन्न प्रविधियों
(जैसे :- सामाजिक आशय, संप्रेषण)
द्वारा मनोवृत्ति परिवर्तन से लिया
जा सकता है।

इस संज्ञा में अनुनय की
व्यक्ति काफी महत्वपूर्ण हो जाता
है जैसे स्वतंत्रता संग्राम में गांधीजी
के नैतिक चरित्र के चलते ही
लोग उनकी बातों पर विश्वास कर
सके।

वर्तमान समय में प्रधानमंत्री द्वारा
सांख्यिक मंत्र से 'बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ' का नारा पद के

प्रति लोगों के सम्मान का उदाहरण
कहा है जलस्वरूप लोगों की मनोवृत्ति
में परिवर्तन लाया (सेल्फी, दिव
डॉर, धरो का नाम रुपनी बेटी
के नाम पर रखना)।

ऐसी ही उदाहरण बदायु के
IAS अधिकारी रुहित गुप्ता का
देखने मिलता है जिन्होंने बाघ
से मैला देने की प्रथा को समाप्त
करने हेतु 'डालिया जलानों' कार्यक्रम
शुरू किया।

रुणयंती का चारित्र्य साहस भी
महत्वपूर्ण है जिसे रुणायल प्रदेश के
IAS जगो गेई (Jango Gaye) के उदाहरण
से समझा जा सकता है जिन्होंने सशस्त्र
शिकारियों को परसुए कर सर्वेक्ष
जंगल झाड़ी से रोका।

4. (a) हालांकि, निष्पक्षता को लोक सेवा के लिए प्रमुख नैतिक मूल्यों में से एक के रूप में निर्धारित किया गया है, फिर भी इसे लोक सेवाओं में करुणा के प्रति बाधक के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। चर्चा कीजिए।

While impartiality has been identified as one of the key ethical values for public service, it should not be seen as precluding compassion in public services. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words)10

निष्पक्षता से जादाय किसी भी बाहरी या आंतरिक दबाव से तटस्थ रहते हुए मूल्यों सिद्धांतों नियमों के अनुरूप कार्यवाही से लिया जा सकता है यह सिविल सेवा का एक बुनियादी मूल्य है।

हाल ही में बिहार के दरभंगा में एक इंसपेक्टर द्वारा अपने ही पुत्र के निरुद्ध शराब सेवन के संदर्भ में की गयी कार्यवाही निष्पक्षता का एक उदाहरण है।

हालांकि इस मूल्य को एकल रूप में ही नहीं लिया जा-

सकला वस्तुतः लोककल्याण हेतु अन्य
शून्य भी महत्वपूर्ण है जिसमें
करुणा, दया, वरिष्ठ की प्रति
समागुश्रुति, सहिष्णुता आदि भी महत्वपूर्ण
हैं।

वस्तुतः करुणा का उदाहरण असम
में आयी बाढ़ के दौरान देखने मिला
जब बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में
कार्यवाही हेतु स्वयं IAS कीर्ति
द्वारा नये पावटी लोगों की राहत का
कार्य किया।

कोविड काल में भी निष्पक्षता के
साथ करुणा के महत्व दिया गया जब
लाकड़ान के दौरान प्रवासी मजदूरों की
सहायता हेतु पुलिस अधिकारियों द्वारा
मनवीर सहायता के रूप में उनके लिए
यातायात संसाधनों का प्रबंध किया।

वास्तव में करुणा ही मानव के
अस्तित्व को ~~अव्यक्त~~ चरित्रात् करती है— बुद्ध

4. (b) प्रशासकों द्वारा धारित शक्ति, यदि सही तरीके से प्रयोग की जाए तो देश को महान लाभ प्रदान कर सकती है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया जाए तो क्षति और अपमान का कारण बन सकती है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

The power, which administrators wield, can bring the nation great dividends if rightly used, but can bring harm and disrepute if abused. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

प्रशासकों को लोककल्याण के काम
में शक्तियाँ व उत्तरदायित्व समान
रूप से दिये जाते हैं जिनका
उपयोग का मानव सेवा के कलियुग
की जाति की जाती है।
इस संदर्भ में एक स्थिति
विवेकाधिकार की होती है जहाँ शासक
के मूल्य, नैतिक चरित्र, कौशल, ज्ञान
इसके उपयोग को सिद्ध करने हैं।

उदाहरण ० कोविड-19 के दौरान औद्योगिक
O₂ को मेडिकल O₂ में बदलने संबंधी
विवेकाधिकार का उपयोग।

० आधार काई अन्य जम्बूमेंट के बावजूद
सहायता के लिए विवेकाधिकार शक्ति का उपयोग
का ~~हृदय~~ हृदय पुनर्जन की सहायता।

- सामुदायिक पुलिसिंग (हर्ष ~~संघ~~ पोद्दार) महाराष्ट्र
↳ 2 लाख युवाओं को
कॉलक विरोधी व सामुदायिकता विरोधी
क्रियान से जोड़ा।

दुरुपयोग के उदाहरण

- दिल्ली में IAS दम्पति द्वारा खेल मैदान का निजी प्रयोग।
- चंडीगढ़ के अधिकारियों द्वारा लोकविह
के दुरुपयोग के हाविया उदाहरण
(सरकारी संसाधनों की अपेक्षा निजी
~~संस्था~~ संस्था संसाधनों पर खर्च)
- सरकारी वाहन का निजी प्रयोग।
- पारदर्शिता का अभाव।

वर्तमान संदर्भ में प्रधान मंत्री का कथन महत्वपूर्ण हो जाता है "गणतन्त्र भारतीय समाज के लिए केंद्र है व शासन व नैतिकता का सुशासन का पालन जनता के प्रति नैतिक कर्तव्य है जिसका अनुसरण कर विवेकाधिकारों का उचित कर्तव्य किया जा सकता है।"

5. (a) 'सामाजिक जवाबदेही' पद से आप क्या समझते हैं? इसके महत्व की व्याख्या कीजिए और किसी भी सामाजिक जवाबदेहिता संबंधी पहल की सफलता हेतु उत्तरदायी प्रमुख कारकों पर चर्चा कीजिए।

What do you understand by the term 'social accountability' and what is its significance? Discuss the critical factors responsible for the success of any social accountability initiative. (Answer in 150 words)10

सामाजिक जवाबदेही से ज्ञात

समाज की नैतिक उत्तरदायित्व से
हैं इसके अंतर्गत किसी एकल
घटना के ~~बीछे~~ होने में समाज
की भूमिका का रेखांकित किया
जा सकता है।

महत्व

- सामाजिक व्यवस्था का संचालन।
- • समाज में श्रुतिता का पालन।
- • समाज में प्रेस-जाल को बढ़ावा
- • वरिष्ठ वर्ग के कल्याण में श्रमिका।

५० कमजोर वर्ग को मुख्य धारा में लाना।

५० साम्प्रदायी समाज, स्वराज की स्थापना।

५० इन्ड्रीशिय सिद्धान्त

सफलता हेतु उत्तरदायी कारक :-

- ० समाज में व्यापक मान्यता।
- ० नैतिक दबाव अधिक।
- ० स्वीकार्यता अधिक।
- ० सुधार हेतु सार्वजनिक प्रयास।
- ० पौष्टिकालिक लाभ।

‘सामाजिक जवाबदेही’ गोष्ठी बीजी के ‘इन्ड्रीशिय सिद्धान्त’ की अवधारणा में निहित है।

5. (b) डेटा संचालित प्रौद्योगिकियों पर अत्यधिक निर्भरता के परिणामस्वरूप डेटा उपनिवेशीकरण और डिजिटल तानाशाही की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में उत्पन्न होने वाले विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कीजिए और उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

Too much dependence on data driven technologies can result in data colonisation and digital dictatorship. Discuss the various issues that may arise in this context and suggest remedial measures. (Answer in 150 words)10

विकसित राष्ट्रों की कुछ कंपनियों
का डिजिटल बाजार पर नियंत्रण
उत्पन्न लोगों के डेटा पर नियंत्रण
के डेटा उपनिवेशवाद की संज्ञा
की गयी है।

डिजिटल तानाशाही

- ↳ राज्य के नियमों की अपेक्षा
स्वनिर्धारित अस्पष्ट मानकों का
पालन (भारत सरकार व ट्विटर
विवाद)
- ↳ मार्केट में नए प्लेयर्स को रोक
जाना (गूगल , फेसबुक
विवाद)

६

उत्पन्न मुद्दे:-

- निजी डाटा का इस्तेमाल। (फैसबुक एनालिटिक्स विवाद)
- एकाधिकारवादी प्रवृत्ति।
- डाटा स्थानीकरण के प्रति उदासीनता।
- भारतीय सम्प्रभुता पर प्रतिक्रिया।
- सामाजिक तनावों में वृद्धि।
- डाटा का नये तेल के रूप में प्रयोग किंतु लाभ विकसित राष्ट्रों को अधिक।
- डाटा का युद्ध में प्रयोग।

↳ रूस को गूगल पे, इविरर, यूट्यूब पर बैन किया जाना।
(एक राष्ट्रीय फैसला)

• चुनावों को प्रभावित करने की क्षमता।

उपान्यात्मक सुझाव:- २ सुझाव → डाटा सेल्फन कायन

- देश की सम्प्रभुता का सम्मान। → भारत द्वारा लाया गया कानून
- डाटा स्थानीकरण का बड़ाका।
- निजता का अधिकार (प्रदरास्वामी वार्ड)।
- वैश्विक कंपनियों में सुधार।
- एकाधिकार पर रोक।

6. (a) पूर्वाग्रह और भेदभाव को जब दूर नहीं किया जाता है तो इनमें संघर्षों को हिंसा में बदलने की क्षमता होती है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

Prejudice and discrimination when left unaddressed have the potential to turn conflicts into violence. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

पूर्वाग्रह से ज्ञाशय किसी
विषय, व्यक्ति समूह के प्रति जायः
नकारात्मक धारणा से लिया जा
सकता है जो अनिवापित तथ्यों
पर आधारित नहीं होती।

पूर्वाग्रह व भेदभाव के व्यापक
प्रभाव समाज में देखने मिलते
हैं। हाल में मणिपुर हिंसा में
इसकी श्रमिका देखी जा सकती है।

वस्तुतः इसी समूह के
पूर्वाग्रह व MC द्वारा विनियम ने
इस स्थिति में समाज में
भेदभाव को चरम पर ला दिया
जिसकी परिणति दुरवस्था हिंसा के
रूप में सामने आयी।

ऐसा ही पूर्वग्रह व भेदभाव अफीकी
समाजों में देखने मिलता है जिनके
फलस्वरूप नृजातीय संबंधों का
बढ़ावा मिलता है।

समाधान के प्रयास :-

- जानकारी द्वारा पूर्वग्रह समाप्ति के प्रयास।
- बाध्यकारी सम्पर्क।
- नीतिगत प्रयास (स्कारालोक कायविधी)
- भेदभाव पर दण्डात्मक प्रावधान।

भारत जैसे विविधता भरे समाज
में एकता सुनिश्चित करने हेतु पूर्वग्रह
व भेदभाव की समाप्ति आवश्यक है
कतः इसकी समाप्ति हेतु बहुआयामी
प्रयास आवश्यक हैं।

6. (b) हालांकि, 'मी टू मूवमेंट' ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के संबंध में कुछ असंतोष की ध्वनि पैदा करने में मदद की है, लेकिन यह भारत में कार्य संस्कृति पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने में विफल रहा है। क्या आप सहमत हैं?

Though the 'Me Too Movement' helped in creating some murmur with respect to sexual harassment of women at workplace, it has failed to create a lasting positive impact on the work culture in India. Do you agree? (Answer in 150 words) 10

हाल ही में 'मी टू मूवमेंट'
वाद में मानवसि संबंधी नियमों में
इस आंदोलन को नैतिक बल
प्रदान किया।

कार्यस्थल पर उत्पीड़न के प्रभाव:-

- रोजगार पर संकट।
- महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में कमी।
- वचिंत वर्ग का शोषण।
- सम्मान में कमी।
- इस महिलाओं का परस्परकल।

मी.टू - आंदोलन के सकारात्मक प्रभाव:-

- महिला की आवाज की बल मिला।

महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता।

- राजनीतिक पाद-विवाद के केंद्र में।
- न्याय प्रणाली में पश्चिम उठाये गये ~~नए~~ फलस्वरूप सुधार हेतु प्रेरणा।
(SC द्वारा प्रेषित जेडर सेंसिटिव शब्दावली इसका उदाहरण है।)
- कार्य संस्कृति में POSH अधिनियम के पालन में सुधार।

कमिटी की चुनौती का बना होना :-

- डायरेक्टर बोर्ड में महिलाओं की कमी।
- आगीदारी का निम्न स्तर।
- स्त्रिसत्तात्मक मानसिकता।

21 वीं सदी में महिलाओं के समागता ने केवल ~~अ~~ उनका अधिकार है बल्कि यह समाज का नैतिक दायित्व भी है।

SECTION – B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके आगे आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप लगभग 15 वर्षों से एक प्रसिद्ध व्यावसायिक सलाहकार कंपनी में काम कर रहे हैं और आपको वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर पदोन्नत किया गया है। मीरा नाम की आपकी एक कनिष्ठ सहकर्मी है, जिसे आप समय-समय पर सलाह देते रहे हैं। आपके मार्गदर्शन के साथ-साथ उसने कंपनी में जो समय और सहयोग दिया है, उसने उसे संगठन में पेशेवर रूप से तेजी से उन्नति करने हेतु प्रेरित किया है। काम का माहौल भी उसके विकास के अनुकूल रहा है। इस बीच, मीरा की माता पिछले कुछ वर्षों से बीमार हैं और उन्हें चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता है। समय के साथ उसके चिकित्सीय व्यय में भी तेजी से वृद्धि हो रही है।

हाल ही में, मीरा को आपके बॉस द्वारा यौन उत्पीड़न के एक असहज अनुभव का सामना करना पड़ा, जिसके बारे में उसने कंपनी के मानव संसाधन विभाग (HRD) को तुरंत सूचना दी। संबंधित बॉस का कंपनी की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और वह कंपनी के भीतर एवं बाहर भी अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। उन्होंने मीरा को इस मुद्दे के निपटारे के लिए अप्रत्यक्ष रूप से एक बड़ी राशि की पेशकश की है। अगर मीरा उसके प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है, तो उसे एक गैर-प्रकटीकरण समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा जो मीरा को इस मुद्दे को फिर से खोलने या इसके बारे में चर्चा करने से रोकता है। मीरा को पता चला है कि संबंधित बॉस पहले भी इस तरह की हरकतों में शामिल रहा है। कंपनी में उसके पद और उसके संबंधों को देखते हुए, मीरा को लगता है कि वह भविष्य में उसके करियर के लिए खतरा हो सकता है। लेकिन उसे पैसों की भी सख्त आवश्यकता है।

दी गई परिस्थितियों में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

- इस मामले में शामिल मुख्य हितधारकों की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त मामले में सत्यनिष्ठा और नैतिकता से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डालिए।
- मीरा के पास कौन-से अन्य विकल्प उपलब्ध हैं? उसे किस विकल्प का चयन करना चाहिए और क्यों?

You have been working in a well-known business consultancy company for nearly 15 years and have been promoted to a senior executive level. You have a junior colleague, named Meera, whom you have been mentoring from time to time. The time and effort she has invested in the company along with your guidance has led her to rapidly grow professionally in the organisation. The work environment has also been conducive for her growth. Meanwhile, Meera's mother has been ill and requiring medical attention for the past few years. Her medical bills have been increasing rapidly over time.

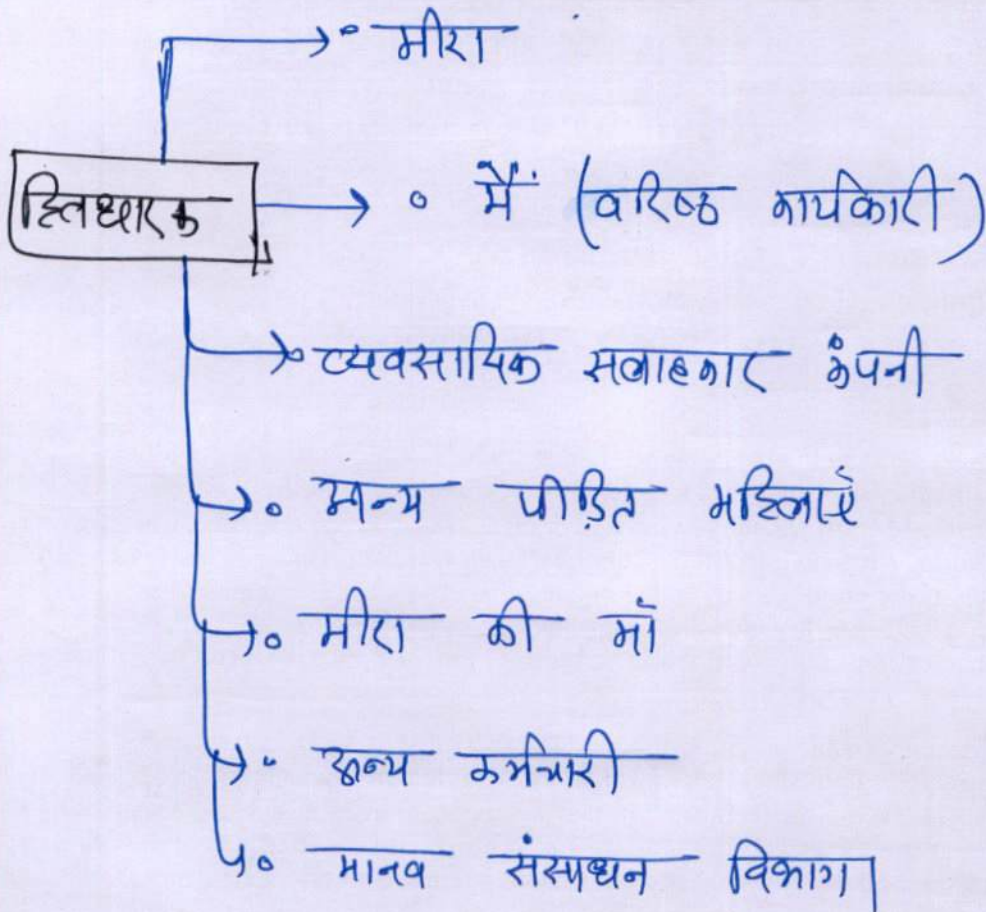
Recently, Meera encountered an uncomfortable experience of sexual advances at the hands of your immediate boss, which she reported to Human Resources Department (HRD) of the company instantly. The concerned boss has been instrumental in the success of the company and is also well-connected within the company and beyond. He has indirectly offered a large amount for the settlement of this issue to Meera. If Meera accepts his offer, she will have to sign a non-disclosure agreement that restricts her from re-opening the issue or even discussing

about it. She came to know that the concerned boss has been involved in similar acts earlier as well. Given his position in the company and his connections, Meera feels that he could be a threat to her career in the future. She is also in dire need of money.

In the given circumstances, address the following:

- Identify the main stakeholders involved in this case.
- Highlight the issues related to integrity and ethics in the case above.
- What are the various options available to Meera? Which option should she choose and why? (Answer in 250 words) 20

उपरोक्त वाद व्यावसायिक प्रतिष्ठानों
में नैतिक कार्य संस्कृति के चलन
को दर्शाता है।



सत्य निष्ठा व नैतिकता के मुद्दे :-

- व्यवसायिक नैतिकता बनाम निजी हित।
(मो की देखभाल हेतु धन की आवश्यकता को चुना जाये या कार्यसंस्कृति में सुधार)
- मीरा द्वारा महिला अधिकारों के प्रति सत्यनिष्ठा
- अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाया जाये
- कंपनी के लाभ पर संकट।
- कार्य संस्कृति में आये नैतिक अपतन को उजागर करना मीरा का नैतिक कर्तव्य।
- ~~स्वयं~~ मीरा का निजी कर्तव्य (माँ की सेवा)

मीरा के पास उपलब्ध विकल्प :-

- उपयोगितावादी दृष्टिकोण बताकर समझाते

को स्वीकार कर ले साथ ही आगे
ऐसा न होने की गारंटी भी
जाप्त करे।

लाभ → मो के लिए इलाज हेतु
धन की जाति।
कम्पनी का कार्य उभावित नहीं होगा।

हानि → उपाहरण करने का अवसर समाप्त
१० पूर्वी के पीड़ितों में नैतिक क्षति
का
१० कार्य संस्कृति डुबित होगी।

II). समझौते पर दोनों के ~~व्याप~~ से
मना कर कार्यवाही को आगे बढ़ाये।

लाभ → ० समाज में बेहतर उपाहरण
प्रस्तुत होगा।

१० कार्य संस्कृति में सुधार।
१० पूर्वी की पीड़ितों में भी हिम्मत
आयेगी।
१० महिला सशक्तीकरण

हानि → • माता के शिवाज हेतु धन
उपधि का अवसर समाप्त।
→ • प्रतिष्ठान को वित्तीय
नुकसान

मेरे अनुसार गीरा को • II
वित्तीय नुकसान चाहिए जिसके कारण
बिना निम्न हैं:-

- सत्यमेव जयते का प्रदर्शन।
- वित्तीय सहायता इंगितकारी।
- महिला की धरनाओं पर अंकुश।
- वित्तीय नैतिकता को बढ़ावा।
- दीर्घकाल में कम्पनी के लाभ
(कार्यक्षमता में सुधार → उत्पादकता
में सुधार)
- यद्यपि माता के शिवाज हेतु अन्य सहकारी
सहायता या बीमा एवं नैतिक फंडिंग प्राप्ति
संगत है।
- वर्तमान समय में महिला सम्मान
की स्थापना हेतु पीड़ित पक्ष को स्वयं
आवाज बनना महत्वपूर्ण है।

8. आप हाल ही में एक फार्मास्यूटिकल कंपनी में शामिल हुए हैं वहां आपका पद रीजनल सेल्स मैनेजर का है। आपको एक वर्ष के लिए बिक्री लक्ष्य दिया गया है, जो आपके आकलन के अनुसार असामान्य रूप से अधिक है। हालांकि, बाजार का सर्वेक्षण करने पर, आपने पाया है कि प्रतियोगी ऐसे लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं। गहन विश्लेषण करने पर, आपको डॉक्टरों को उनके मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स द्वारा उपहार, भुगतान और आतिथ्य लाभ देने की अनैतिक प्रथाओं के बारे में पता चलता है। यह यूनिफॉर्म कोड ऑफ फार्मास्यूटिकल्स मार्केटिंग प्रैक्टिस द्वारा प्रतिबंधित है। आपने इस संबंध में नेशनल सेल्स मैनेजर से संपर्क किया लेकिन उन्होंने जारी किए गए लक्ष्यों को किसी भी कीमत पर प्राप्त करने का संकेत दिया है। आपने डॉक्टरों को अनैतिक प्रोत्साहन देने की प्रथा में शामिल न होते हुए एरिया सेल्स मैनेजर्स को अपने-अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने इन प्रोत्साहनों और लाभों को दिए बिना लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थता संबंधी अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है।

- इस संदर्भ में, आपके द्वारा किन नैतिक दुविधाओं का सामना किया जा रहा है?
- आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों के गुणों और दोषों पर चर्चा कीजिए? आप इन विकल्पों में से किसका और क्यों चयन करेंगे?
- फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के पास अपने उत्पादों के विपणन के लिए कौन-से नैतिक विकल्प उपलब्ध हैं?

You have recently joined as a Regional Sales Manager of a pharmaceutical company and have been given a sales target for the year, which is unusually high as per your assessment. On surveying the market, however, you have observed that the competitors are achieving such targets. On a deeper analysis, you come across unethical practices of giving gifts, payments and hospitality benefits to doctors by their medical representatives. This is prohibited by the Uniform Code of Pharmaceuticals Marketing Practices. You contacted the National Sales Manager in this regard but he hinted at achieving the released targets at whatever cost. You directed the Area Sales Managers to meet their respective targets while not engaging in the practice of unethical incentives to the doctors. They have communicated their concerns regarding their inability to meet the targets without provision of these perks and benefits.

- What are the ethical dilemmas being faced by you in this context?
- Discuss the merits and demerits of the options available to you? Which of these will you choose and why?
- What are the ethical alternatives available to the pharmaceutical sector to market their products? (Answer in 250 words)20

उपरोक्त वाद वर्तमान संदर्भ में व्याप्त मेडिकल
प्रतिष्ठान को सूचित करता है जिसका
मानवीय स्वास्थ्य पर नकारात्मक उभाव पड़ता
है।

नैतिक चुविष्टा :-

- व्यवसायिक हित बनाम जनसुरक्षा।
- निजी हित बनाम सार्वजनिक स्वास्थ्य।
- नियम कानूनों का पालन बनाम शीजगार सुरक्षा।
- ~~हथकड़ी को महत्व देना~~
- प्रतिस्पर्धा बनाम नियम पालन

(b). उपलब्ध विकल्प :-

- प्रतिस्पर्धा को महत्व देकर स्वयं भी इस कार्य में लग जायें।

लाभ → • शारीरिक लाभ।
→ • पदोन्नति की संभावना।
→ •

हानि → • नियमों के विरुद्ध।
→ • मेडिकल नीतिशास्त्र की अवहेलना।
→ • मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव।
→ • नैतिक विचलन

• II) ~~क~~ अल्प मात्रा में स्वीकार्यता।

लाभ → • महयम मार्ग का पालन
 ↳ • क्रान्तिक रूप से शांति
 ↳ • प्राप्त धन को सेवा कार्य में लगाये

हानि → • शुरुआत में अल्प लाभ ही
 वही भ्रष्टाचार को ~~बढ़ावा~~ देता है।
 ↳ • कानूनी व नैतिक रूप से गलत।

III) उच्च स्तर पर विकसित मार्किट
 रेग्युलेटर को लिखित विकसित व
 साक्ष्य प्रस्तुत कर बयान पर
 कंकुश लगाये।

लाभ → • अल्प कालांतर पर नियंत्रण।
 ↳ • सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार
 ↳ 4 NMR में कमी
 ↳ 0.0PE में कमी
 (47.1% NMR by 09)

• व्यवसायिक नैतिकता का पालन।

हानि

→ • शेजगाह का संकट।

→ • मार्केट द्वारा प्रतिबंधित किया जा सकता है। (सांताजिक प्रतिबंध)

→ • कार्यात्मक हानि।

क.

मेरे द्वारा III विकल्प को निम्न कारणों से चुना जायेगा :-

- ① नैतिक रूप से सही कार्य।
- ② सभी के गलत मार्ग का अनुसरण से नैतिक संकट, (द्वन्द्वों का संकट) उत्पन्न करेगा।
- ③. सार्वजनिक दायित्वों का निर्वहन।
- ④. सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार भी प्रेरणा बन सकेगा।
- ⑤. ~~युवा~~ उदाहरण प्रस्तुत का अन्य क्षेत्रों में लाभ।

② सुरक्षा हेतु पञ्चायति तंत्र से सहायता प्राप्त करेंगी।

(1). विपणन हेतु नैतिक विकल्प :-

- के प्रशिक्षण में नैतिक ज्ञान को महत्व।
- सामाजिक स्थिति से अवगत करने हुए अभिवृत्ति में परिवर्तन के प्रयास।
(गरीबों पर होने वाले प्रभाव की स्पष्ट जानकारी)
- तकनीकी प्रयास → डामर- रिजेंजेंटिव समूहों का डिजिटल रिकार्ड।
- जैनेरिक दवाओं को प्रोत्साहन।
- मेडिकल बोर्ड द्वारा नैतिक मानदण्डों में सुधार।

9. लोक सेवकों को आमतौर पर सरकार की योजनाओं और नीतियों को पर्दे के पीछे रहकर संचालन करने वाले अभिकर्ताओं के रूप में माना जाता है। स्थायी कार्यकारी होने के नाते, इनसे उम्मीद की जाती है कि ये सुर्खियों में आए बिना अपने कार्यों का निर्वहन करें, जबकि यह राजनेताओं पर निर्भर है कि वे अपने राजनीतिक कृत्यों के लिए सुर्खियों में रहें। हालांकि, हाल के दिनों में एक प्रवृत्ति विकसित हो रही है जिनमें लोक सेवकों, विशेष रूप से युवा लोक सेवकों ने नियमित रूप से अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को पोस्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ अधिकारियों ने लोकप्रियता का वह स्तर हासिल कर लिया है जो भारत में मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों के लगभग समान है।

सोशल मीडिया पर मौजूद इन अधिकारियों में से अधिकांश का तर्क है कि इससे उन्हें लोगों से जुड़ने में मदद मिलती है और युवा पीढ़ी को भी प्रेरणा मिलती है। हालांकि, कई वरिष्ठ लोक सेवक इस तरह की प्रवृत्ति का कड़ा विरोध करते हैं। उनका मानना है कि ऐसे अधिकारियों द्वारा साझा की गई कुछ सामग्री केवल पब्लिसिटी लेने के लिए होती हैं, ये लोक सेवाओं के 'सिद्धांतों' का उल्लंघन करती हैं और यहां तक कि उनके स्वयं के करियर के साथ-साथ समग्र रूप से सेवा के लिए भी हानिकारक हो सकती हैं। युवा अधिकारियों को विभिन्न माध्यमों से सलाह दी जा रही है कि वे अपनी छवि को फिल्मस्टार जैसा बनाने से बचें।

इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (a) लोक सेवकों द्वारा सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से जुड़े नैतिक मुद्दे क्या हैं?
(b) लोक अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है?

Civil servants are usually considered as the behind-the-scenes operators of plans and policies of the government. Being the permanent executive, they are expected to work without getting into the limelight while it is up to the politicians to hog the limelight for their political ends. But in recent times, a trend is developing where civil servants, especially younger ones, have taken to social media to post their day-to-day activities on a regular basis. Some studies suggest that some of the officers have attained a level of popularity that does not trail too far behind celebrities and influencers in India.

Most of these officers with social media presence argue that this helps them connect with the people and also inspire the younger generation. However, many senior civil servants strongly oppose such a trend. They believe that some of the content shared by such officers is excessively publicity-seeking, violates the 'principles' of the civil services, and may even be disadvantageous to their own career as well as the service as a whole. There have been calls from various quarters advising the young officers to desist from creating a filmstar like image of themselves.

In this context, answer the following questions.

- (a) What are the ethical issues associated with the excessive use of social media by civil servants?
(b) How can social media be effectively utilized by public officials? (Answer in 250 words) 20

वर्तमान समय में सोशल मीडिया का कृति प्रयोग विविध सेवाओं की कार्यक्षमता पर उन्नयन करने का एक अच्छा मुद्दा बनकर उभरा है।

नैतिक मुद्दे :-

- अधिनियम संहिता व नैतिक संहिता पालन में कमी।
- सिविल सेवा के शून्य - अनादित में कमी।
- लोक सुभक्षण काद के महत्व देकर वास्तविक मुद्दों से विचलन।
- पारदर्शिता बनाम गोपनीयता।
- सार्वजनिक प्रसूची बनाम ~~पेरे~~ परदे के पीछे रहकर कार्य करने की संस्कृति।
- हाल ही में कनटिक में IAS व IPS अधिकारी के मृत्यु हवीर पर

एक दूसरे के प्रति वोचारीपन - विस्त
कार्यसंस्कृति को दबाता है।

- कार्यक्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव।
- निष्काम सेवा भावना से विचलन।
(उच्च हेतु कार्य)
- ~~सोशल मीडिया~~ पर
- युवा वर्ग पर नकारात्मक प्रभाव।
- वरिष्ठ अधिकारी व युवा अधिकारियों
में मतभिन्नता।

• सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग :-

- कोविड-19 के काल में कई अधिकारियों
द्वारा सोशल मीडिया का सकारात्मक
उपयोग कर आवश्यक उपलब्धता,
व मेडिकल बैड इदि के सटीक
जानकारी साझा की।

- ० जानकारी साक्षा करने का अच्छा उपयोग। (Infos प्रदीप सांगवान)
- ० समाज के सकारात्मक कार्यों को साक्षा करना।
- ० युवा वर्ग को प्रेरित करनेवाचाट को प्रोत्साहन।

~~कार्य बर्तें~~

रूख सुझाव

- ० कार्य बर्तों में उपयोग न करना।
- ० सरकारी संस्थानों की गैरपरिहार्य जानकारी पोस्ट न डाला जाना।
- ० सोशल मीडिया अकाउंट का DOPI से साक्षा किया जाना (राज्य स्तर पर यह प्रशासन के साथ)
- ० निजी व सार्वजनिक अकाउंट को अलग रखा जाये।

- स सपष्ट माचार संहिता को निम्नलि
मावश्यक है।
- उत्सर्जन पर मापदाही ।
- सरकारी मापों की मावोजना हेतु
सोशल मीडिया प्रयोग से सचा जाये।
(अन्य उपलब्ध प्रसाधकीय विकल्पों
से सुधार किया जाये)
- सोशल मीडिया स्वयं में
माव्या या बुरा नहीं अपितु इसका
प्रयोगकर्ता का नैतिक ज्ञान इसे
निर्धारित करता है अतः सकारात्मक
रूप में प्रयोग को प्रोत्साहन
देते हुए जनकल्याण हेतु इसका
प्रयोग किया जाये।

10. आप एक युवा आई. ए. एस. अधिकारी हैं और हाल ही में एक ऐसे जिले में सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में पदस्थापित हुए हैं जिसे "खुले में शौच मुक्त" घोषित किया गया है। हालांकि, आपको जानकारी मिलती है कि आपके सब-डिविजन के कुछ गांवों में शौचालयों की उपलब्धता के बावजूद अभी भी खुले में शौच करने की प्रथा जारी है। जिला प्रशासन में आपके सहयोगी इस जानकारी की सत्यता की पुष्टि करते हैं। आप इन गांवों के ग्राम प्रधानों को बुलाते हैं और उनसे कहते हैं कि वे अपने-अपने ग्रामीणों को खुले में शौच न करने के लिए राजी करें। लेकिन, वे इस प्रथा को पूरी तरह से बंद करने में अपनी अनिच्छा और असमर्थता व्यक्त करते हैं, क्योंकि वे कुछ मामलों में स्वयं खुले में शौच करने को सही मानते हैं। आप इस मामले पर जिलाधिकारी से चर्चा करते हैं जो आपको कोई भी आधिकारिक कार्रवाई करने से मना कर देते हैं, क्योंकि इससे जिले को दिया गया 'खुले में शौच मुक्त' का दर्जा वापस लिया जा सकता है।

एक युवा और सक्रिय अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- घर में शौचालय होने के बाद भी लोग खुले में शौच क्यों करते हैं?
- इस प्रकरण में एक सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट के रूप में आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक विकल्प के गुणों और दोषों पर प्रकाश डालिए।
- आप क्या कार्रवाई करेंगे?

You are a young IAS officer and have recently joined as a Sub-Divisional Magistrate in a district, which has been declared 'open defecation free'. However, you get information that some villages in your sub-division are still continuing the practice of open defecation out of habit despite availability of toilets. Your colleagues in the district administration confirm that the information is true. You call the village headmen of these villages and tell them to persuade their respective villagers to stop open defecation. But, they express their unwillingness and inability to fully stop this practice, as in some cases they themselves consider it healthy to defecate in the open. You discuss this matter with the District Magistrate who forbids you from taking any official action, as this may cause the 'open defecation free' status given to the district to be withdrawn.

As a young and dynamic officer, answer the following:

- Why do people continue to practice open defecation even when they have access to toilets?
- What are the options available to you as the Sub-Divisional Magistrate in this case? Highlight the merits and demerits of each option.
- What will be your course of action? (Answer in 250 words)20

उपरोक्त वाद में प्रमुख मुद्दा
सांसारिक धारणा और मनोवृत्ति केन्द्र में
जिला समाधान कला आवश्यक है।

④. खुले में शौच के कारण

① धार्मिक सामाजिक मान्यताएँ

↳ धार्मिक ग्रंथों की एक पक्षीय व्याख्याएँ ~~ब~~ लोगों की धारणा को ऐसा बनाती हैं।

② पयस्ति जल कनेक्शन का अभाव।

③. स्वास्थ्य जानकारी का अभाव।

(होने वाले रोगों के प्रति सचेत नहीं → हैंजा)

④. मनोवृत्ति → घर में शौचालय को अपवित्र माना जाना।

⑤. बीचकालिक प्रथा

⑥. उपलब्ध विकल्प :-

① कड़ाई से पालन को लाव कराया।

लाभ → स्वच्छ भारत मिशन की है

लक्ष्य की प्राप्ति

- स्कूल में शौच से मुक्ति।
- स्वास्थ्य लाभ।

हानि → विशेष अधिकृत काल पालन
हो ऐसा अनिवार्य नहीं।
↓
• मातृ प्रधान द्वारा ऐसा किया जाना
हो अन्य विकल्पों पर कार्य हेतु प्रेरित -
कता है।

(II). **नवाचारी कार्यविधिति** :

- ↓
• बुझड़ नाटक
- ↓
• उपाहरों से शिक्षा
- ↓
• ODF गांव के स्वास्थ्य लाभों
की जानकारी।
- महिलाओं को जागरूक करना।
- संप्रेषण द्वारा अनुनय।
- ~~बाजारों, कपड़े~~ सार्वजनिक स्थान पर
चगी।

40 सिनेमा का प्रयोग (टायलर एम
जेन कथा)

❖ (लाभ) → मनोवृत्ति परिवर्तन की स्थापना
कठिना

(हानि) → सभ्य कठिना व्यव होगा
→ अन्य कार्य पर प्रभाव
→ संसाधन प्रयोग

① मेरे सारा वही जाने वाली कथिवाही।

सबसे पहले मेरे सारा द्वितीय
विकल्प (II) को चुनते हुए कार्य
किया जायेगा। इससे मनोवृत्ति
परिवर्तन के प्रभावी लाभ प्राप्त
होगे।

फिर भी आवश्यकता पड़ने पर
विकल्प (I) का प्रयोग किया
जायेगा।

वस्तुतः रैना करना जन
 स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है
 वस्तुतः WHO रिपोर्ट में भी
 यह कहा गया है कि भारत
 सरकार के स्वच्छ भारत अभियान
 द्वारा उलाख लोगों को स्वच्छ प्रत्यु
 के स्वतंत्र से क्या रहे

11. आप एक ऐसे जिले के जिलाधिकारी हैं, जो इंजीनियरिंग के साथ-साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के कोचिंग संस्थानों का एक हब है। हाल ही में, लगभग 5 छात्रों ने शैक्षणिक और सामाजिक दबाव के कारण आत्महत्या कर ली है। देश भर से 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के अनेक छात्र IIT और AIIMS जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने का सपना लेकर जिले में आते हैं। हालांकि, कोचिंग संस्थान व्यवसायिक मानसिकता से कार्य करते हैं और चाहते हैं कि टॉपर्स उनके संस्थान के ही हों ताकि वे और अधिक छात्रों को आकर्षित कर सकें। वे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए छात्रों पर बहुत अधिक दबाव बनाते हैं, छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर अलग-अलग श्रेणी के बैच बनाने जैसे भेदभावपूर्ण व्यवहार करते हैं। ये छात्र पेइंग गेस्ट के रूप में और अपने परिवारों से दूर हॉस्टल में रहते हैं तथा उनमें से कई प्रतियोगिता के भारी बोझ और उससे जुड़े मानसिक तनाव का सामना करने में सक्षम नहीं होते हैं।

हाल ही में, 5 छात्रों द्वारा की गई आत्महत्या की घटनाओं को राष्ट्रीय मीडिया द्वारा उजागर किया गया है और आपको मुख्यमंत्री द्वारा स्थिति की रिपोर्ट पेश करने तथा मामले में उचित कदम उठाने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने आपको इस मामले को लाइमलाइट से दूर रखने के लिए भी कहा है ताकि कोचिंग संस्थान अपना कारोबार करते रहें और अपने लिए तथा राज्य के लिए राजस्व उत्पन्न करते रहें। जांच करने पर, आपको पता चलता है कि 2-3 सबसे प्रसिद्ध कोचिंग संस्थान सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक नेताओं द्वारा चलाए जा रहे हैं। वे छात्रों को लुभाने के लिए झूठे विज्ञापनों का सहारा ले रहे हैं। वे छात्रों पर प्रदर्शन करने के लिए अनुचित दबाव भी बनाते हैं। इसके अलावा, प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं का एक अवैध बाजार भी उभर रहा है और यह छात्रों के बीच काफी प्रचलित है।

स्थिति को देखते हुए:

- इसमें शामिल हितधारकों का उल्लेख कीजिए और दिए गए प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- दी गई स्थिति में, आप क्या कार्रवाई करेंगे?
- छात्रों के बीच आत्महत्या के मामलों में वृद्धि के विभिन्न कारणों पर चर्चा करते हुए, इस मुद्दे के दीर्घकालिक समाधान के लिए उपाय सुझाइए।

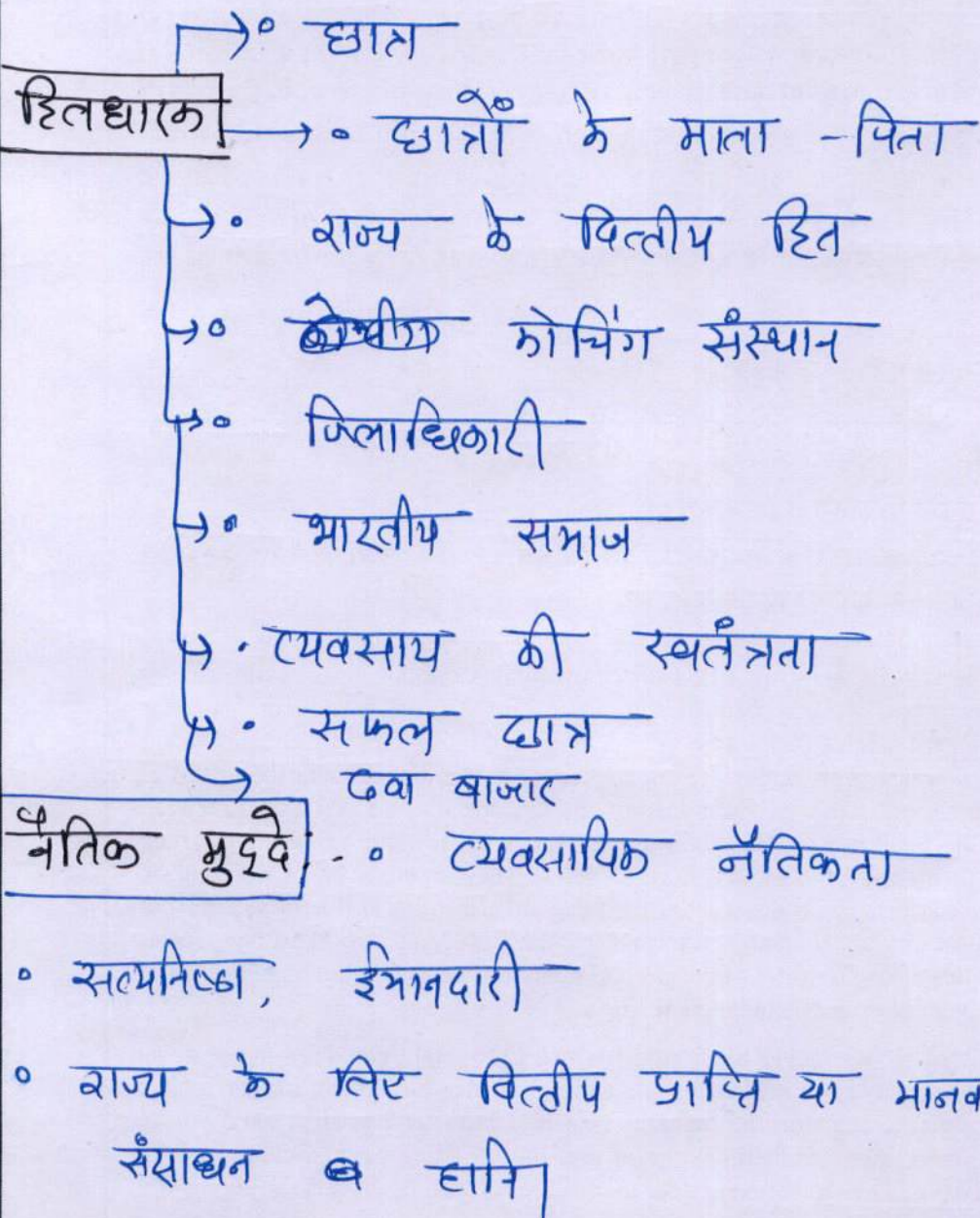
You are the District Magistrate of a district, which is the hub of coaching centres for engineering as well as medical entrance exams. Recently, around 5 students have committed suicide owing to academic and social pressure. Students in the age group 15-18 years from across the country come to the district with the dream of getting admission into prestigious institutions like the IITs and AIIMS. However, the coaching institutes are business-minded and want to have toppers from their institute so that they can attract more students. They create a lot of pressure on students to perform, with differential treatment like forming different category of batches depending on students' performance. These students live as Paying Guests and in hostels away from their families and many cannot tackle the huge burden of competition and the associated mental stress.

The recent spate of suicide by 5 students has been highlighted by the national media and you have been asked by the Chief Minister to present a report of the situation and take steps on the matter. The Chief Minister has also asked you to keep the matter away from limelight so that the coaching centres continue with their business and generate revenue for themselves as well as the state. Upon

investigation, you find out that 2-3 of the most famous coaching institutions are run by political leaders of the ruling party. They are involved in false advertisements in order to lure students. They also create undue pressure on the students to perform. Also, there is an emerging black market for performance enhancing drugs, which have become common among the students.

Given the situation:

- Highlight the stakeholders involved and discuss the associated ethical issues in the given case.
- Given the situation, what will be your course of action?
- Discussing the various reasons for increased cases of suicides among students, suggest measures to address the issue in the long-run. (Answer in 250 words)20



- प्रतिस्पर्धा में बढ़त हेतु सर्वोच्च दवा का सेवन।
- मानसिक स्वास्थ्य पर समाज का कम ध्यान देना।
- शैतिव्यवाद का प्रसार।
- गलाकार प्रतिस्पर्धा।

मेरे द्वारा की गयी कार्यवाही

- ①. सर्वोच्चम कोचिंग संस्थानों द्वारा नियम संचालन में सहायता हेतु तैयार किया जाये।
- ②. सफल विद्यार्थियों द्वारा कोचिंग संस्थान से संपर्कता के माध्यम से उमान विज्ञान के साथ प्रदर्शित किया जाये।

- ③ संस्थानों में सुधार हेतु सरकार को बाइर टैच रेगुलेशन की सलाह दी जाये।
- ④ संस्थानों में प्रनोवैज्ञानिक काउन्सिल की नियुक्ति को अनिवार्य किया जाये।
- ⑤ कोचिंग में उदरार्थ के आधार पर भेदभाव के उदाहरणों पर कार्रवाई की जाये।
- ⑥ छात्रों के लिए लोकल टेलिफोन नम्बर दिया जाये।
- ⑦ प्रेडिग गेटर हाउसों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य हो साथ ही छात्रों का रियल-टाइम-डिवाइस तैयार किया जाये।
- ⑧ माता-पिता को सलाह दी जाये।
- ⑨ एडमिशन के साथ ही वास्तविक

पानकारी साक्ष्य की जाये।

हालतों के कारण

- (1) बच्चों से शक्ति अपेक्षा ।
- (2) सामाजिक दबाव - ग्रामीण पृष्ठभूमि के पास शहरों में ~~सहस्र~~ सहस्र महसूस करते हैं।
- (3) प्रतिस्पर्धा में हारिद।
- (4) सामाजिक प्रतिष्ठा का उश्न बना लिया जाना।
- (5) माता-पिता द्वारा अप्रत्यक्ष दबाव में हारिद।

बीषिकारिक समाधान

- गाइडलाइन से अधतन किया जाये।
- विकल्पों को प्रस्तुत किया जाये।
- T_2 व T_3 शहरों में स्टारी रूप को फैलाए।
- नये संस्थानों की स्थापना।
- बड़े उद्देशीय शिक्षा को बढ़ावा।
- माता-पिता व बच्चों की आर्थिक काउन्सलिंग → सही दिशा का चुनाव

12. आप हाल ही में भारत के एक महानगर में जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। हाल ही में, एक ऐसी घटना हुई थी जिसमें दो गरीब लोगों की शहर के एक पॉश मोहल्ले में सीवर की जोखिमपूर्ण सफाई के दौरान मौत हो गई थी, जिसमें शहर के शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुख रहते थे। प्रारंभिक रिपोर्ट में पाया गया कि उक्त मोहल्ले के कुछ निवासियों ने स्थानीय शहर प्रशासन की जानकारी के बिना सीवर की सफाई के लिए निजी कर्मचारियों को नियुक्त किया था।

संबंधित निवासियों के साथ-साथ दोनों मृत लोगों को काम पर नियोजित करने वाले निजी ठेकेदार के खिलाफ उनकी लापरवाही के कारण हुई मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। यह शिकायत उस मोहल्ले के निवासियों के लिए एक चौंकाने वाली घटना थी, जिनमें से अधिकांश ने पहले कभी कानूनी कार्यवाई का सामना नहीं किया था।

जांच के दौरान मोहल्ले के लोगों ने शिकायत की कि स्थानीय प्रशासन लंबे समय से सीवरों की सफाई नहीं करा रहा है, जिसके कारण उन्हें निजी कर्मचारियों को काम पर रखना पड़ा। आपको यह भी पता चला है कि नगर प्रशासन में मेंटेनेंस कार्यों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है, जिसका आज तक कोई समाधान नहीं हुआ है। समग्र रूप से नगर प्रशासन भी आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण और सीवेज सफाई से संबंधित कार्य करने के लिए सुरक्षात्मक गियर प्रदान करने के लिए धन की कमी का सामना कर रहा है।

दूसरी तरफ, मृतक के परिजनों ने मुआवजे के लिए सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। साथ ही, मीडिया ने भी इस घटना के लिए नगर प्रशासन की उदासीनता को जिम्मेदार मानते हुए हंगामा किया हुआ है और मोहल्ले के हाई प्रोफाइल निवासियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों को वापस लेने के लिए दबाव बना हुआ है।

उपर्युक्त स्थिति के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- संबंधित मुद्दों के साथ प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- दिए गए प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आप कौन-से दीर्घकालीन उपाय करेंगे?

You have recently joined as the Chief Executive Officer of the Water Supply and Sewerage Board in a metropolitan city of India. Recently, there was an incident where two poor people died while undertaking hazardous cleaning of sewers in a posh neighbourhood, housing top corporate honchos of the city. The preliminary report found that a few residents in the said neighbourhood employed private workers to clean the sewers without the knowledge of the local city administration.

A complaint for causing death by negligence has been registered against the concerned residents as well as the private contractor through whom these poor people were employed to carry out the task. The complaint has come as a shock to the residents of the neighbourhood, most of whom never had a brush with the law before.

During the investigation, the residents of the neighbourhood complained that the local administration has not been cleaning sewers for a long time, forcing them to hire private workers. You also come to know that there has been a confusion over the maintenance works in the city administration, with no resolution till date. The city administration, as a whole, has also been facing a shortage of funds to build

the requisite infrastructure and provide protective gears to carry out the sewage cleaning work. In the meantime, the family members of the deceased have started pressurising the government for compensation and there has also been a media blitzkrieg blaming the apathy of the city administration for the incident and pressure to withdraw the complaints registered against the high profile residents of the neighbourhood.

In light of the above situation, answer the following questions:

- Identify the stakeholders involved in the case along with the associated issues.
- Evaluate the options that are available to you in the given case. Which of these options will you choose and why?
- What will be the long-term measures you will take to prevent such an incident from occurring in the future? (Answer in 250 words) 20

हितधारक

- छ हाथ से मैला धोने वाले कर्मचारी (घृतक)
- मृतकों के परिवार
- स्थानीय प्रशासन
- सोसायटी के लोग
- कार्यकारी अधिकारी (मै)
- वचिंत वर्ग (सामान्य स्वच्छताकर्मी)
- राज्य सरकार

उपलब्ध विकल्प

①. मामलों का सहमतिपूर्वक समाधान
(अनौपचारिक ज्यास)

• स्थानीय कमियों द्वारा निजी सहायता
से मृतकों को मुआवजा ~~देना~~

• हाई प्रोफाइल निवासियों पर केस
वापस (आर्थिक लाभ मृतकों के
परिजनों को देते हुए)

• स्वच्छता हेतु नये अनौपचारिक
ज्यासों को जारी रखा जाये।

② स्पर्श रूप से नैतिक व
विधिक कार्यवाही :-

① स्थानीय प्रशासन द्वारा कोश काण बताओं
नोटिस के साथ अनौपचारिक प्रण
के प्राप्ति में सहयोग।

② सीसायरी द्वारा नियंत्रित इतर कार्यवाही

पर विधि सम्मत ढण्ड का प्रावधान।

- मूलकों को 2013 के अधिनियम के अनुसार SC द्वारा निर्धारित उचित मुआवजा दिया जाये।

भैरे द्वारा विधिक व नैतिक रूप से उचित (II) विकल्प को चुना जायेगा।
कस्तुतः हाथ से मैला धोने की प्रथा का कहीं भी समर्थन ऐतिहासिक, सामाजिक अभ्यास को समर्थन करने समान होगा अतः इसके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही आवश्यक है।

साथ ही स्वामीय प्रशासन के विरुद्ध लापरवाही हेतु विधि सम्मत ढण्ड प्रशासन में उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

ऐसी घटनाओं को रोकने के
दीर्घकालिक उपाय

- ①. हाथ से मिला देने की उपा
(निषेध) अधिनियम 2013 का प्रभावी
किमान्वयन।
- ②. ~~प्रोटेक्ट~~ 'सुसालक गिर' की परिभाषा
को सही किया जाये।
- ③. मेन हॉल \Rightarrow मशीन हॉल
- ④. केरल - बेंडिकुर रोबोट (Bendicoot)
- ⑤. तकनीकी प्रयासों को बढ़ावा।
- ⑥. पुनर्वसि के बेहतर प्रयास (SC
गारडनशन को विधिक रूप दिया
जाये)
- ⑦. सभाग के नैतिक उत्थान को
बढ़ावा दिया जाये।
↳ मनोवृत्ति परिवर्तन \rightarrow स्वच्छ भारत कार्यक्रम
कचरेवाला (X) \Rightarrow स्वच्छताकर्मी